लाठियां नही चाहिए। लेकिन वहां लाठियां बरसाई गई और जब स्थिति कंट्रोल में नही आई तो यूथ फंडरेशन के एक्शन स्क्वायड ने उनको पकड़ कर उनकी पिटाई की।

THE DEPUTY CHAIRMAN: Don't go beyond the subject-matter.

श्री एस.एस. अहलुवालिया : महोदया, मैं सिर्फ इतना ही कहना चाहता हूं कि जहां हमारे देश में दीवाली, दशहरे या पोंगल में राशन में एक्स्ट्रा चीनी बांटी जाती है वहां इम्तिहान में बच्चों को पढ़ने के लिए अगर हम बिजली नही दे सकते तो हम राज्य सरकार क्या चलाएंगे? यह सोचने की बात है। ...**(व्यवधान)**... अरे चुप रहो भाई। ...**(व्यवधान)**... एक तो अन्याय करते हो और ऊपर से दादागिरी करते हो?...**(व्यवधान)**... गलत काम किया है तो उसे स्वीकार तो करिए।

THE DEPUTY CHAIRMAN: Enough has been said about this.

श्री एस.एस. अहलुवालिया : वहां बच्चों ने केवल बिजली मांगी है, वह तो दे नही सके और लाठियां बरसा रहे हो?

उपसभापति : अहलुवालिया जी ....

श्री एस.एस. अहलुवालिया : महोदया, मैं इसकी भर्त्सना करता हूं, विरोध करता हूं और आपके द्वारा सरकार से मांग करता हूं कि वह इंटरवीन करे कि कम से कम छात्रों को पढ़ाई के वक्त तो बिजली मिल सके।

SHRI O. RAJAGOPAL: Madam, I associate myself with this. I am not going to make a speech. I condemn this action of the arrest of Mr. Oomen Chandy.

RE. FOETICIDE IN BIHAR

श्री रामदास अग्रवाल (राजस्थान) : उपसभापति महोदया, मैं सदन का ध्यान एक बहुत गंभीर विषय की ओर आकर्षित करना चाहता हूं। बिहार हमारे देश का एक प्रांत है और कोई जमाना था जब बिहार का नाम अपनी ऐतिहासिक परंपरा और ऐतिहासिक धरोहर के लिए भारत के इतिहास में स्वर्णिम अक्षरों में लिखा गया था। लेकिन आज बिहार में जातीय दंगे आम है, हत्याएं आम है, सेनाएं वहीं पर बनी हुई है और भ्रष्टाचार में भी उसने बहुत अच्छा नाम कमा लिया है। बिहार बदल गया है। भ्रूण हत्याएं हमने सुनी थी। सोन्योग्राफी के माध्यम से जन्म लेने वाले शिशु का पता लगाया जाता था कि वह लड़का है या लड़की है और उसके बाद इस तरह की भ्रूण हत्याएं होती हुई हमने देखी है। अबार्शन लीगलाइज हो गया लेकिन उसके बाद यह हत्याएं बढ़ी ही होंगी। किन्तु मैं आपका ध्यान इस बात की ओर आकर्षित करना चाहता हूं कि आज बिहार में, एक प्रतिष्ठत समाचार पत्र में यह बात छपी है कि बिहार के अंदर गये साल में 15 लाख नवजात कन्याओं की हत्या कर दी गयी। महोदया, यह क्या हो रहा है? यह तो भगवान की कृपा है कि लड़का होगा या लड़की होगी। सोन्योग्राफी से टैस्ट करवा लेना और उसको मरवा देना आम बात होती जा रही है*

श्री रामदेव भंडारी (बिहार) : जरा बताइए कहां-कहां हुआ है...**(व्यवधान)**... संख्या बहुत है।...**(व्यवधान)**...

श्री रामदास अग्रवाल : यह सर्वे हुआ है। ...**(व्यवधान)**...

श्री राम देव भंडारी : बताइए, कहां हुआ है? यह गलत बात है।...**(व्यवधान)**...

श्री रामदास अग्रवाल : महोदया, यह विवाद का विषय नही है।...**(व्यवधान)**... यह सर्वे हुआ है और 15 लाख बच्चों को मार दिया गया है। ...**(व्यवधान)**...

श्री वसीम अहमद (उत्तर प्रदेश) : महोदया, यह गलत बयानी है।...**(व्यवधान)**...

श्री रामदास अग्रवाल : मुझे इस बात का अफसोस है। ...**(व्यवधान)**...

श्री रामदेव भंडारी : सबसे पहली राजस्थान के हालात देखिए।...**(व्यवधान)**...

श्री रामदास अग्रवाल : इसमें केवल बिहार का नाम है। आपको और तथ्य पता है तो और बताइए। आप सदन को जानकारी दीजिए। ...**(व्यवधान)**...

श्री वसीम अहमद : पत्र का नाम बताइए कि कौन से पत्र में आया है।...**(व्यवधान)**...

श्री रामदास अग्रवाल : अखबार पढ़ा करिए। हिन्दी का ऑल इंडिया पेपर है। ...**(व्यवधान)**...

श्री रामदेव भंडारी : आपको ऐसी बातें नही कहनी चाहिए। ...**(व्यवधान)**...

DR. BIPLAB DASGUPTA (West Bengal): It is somewhat unfortunate that while making a very important point, he referred to the people of a particular State.

---

*Expunged, as ordered by the Chair

SHRI RAMDAS AGARWAL: No, not at all.

SHRI JIBON ROY (West Bengal): You have used the word 'Bihar'.

SHRI RAMDAS AGARWAL: Yes, it is in Bihar only. *(Interruptions)*

DR. BIPLAB DASGUPTA: Expunge it from the proceedings, Madam. *(Interruptions)*

THE DEPUTY CHAIRMAN: Order, please. There have been reports of girl child being killed in the foetus itself, but not only from one State, I must tell you. May be one newspaper wrote about it, but many other newspapers have written about this happening in Punjab, Rajasthan, Madhya Pradesh, Haryana, Bombay or anywhere. So, I always guide my Members that when they make an important mention, they should not destroy its import by bringing in political overtones. When you say one State, it means one State. It means you are not concerned about other States, where the girl child is being killed. This is not the correct way. If you feel that a child should not be killed just because it is a girl child, please make a general statement. Otherwise, I know, it will be destroyed, because your statement will be objected to by other Members.

श्री रामदास अग्रवाल : महोदया, मैं आपके विचारों से शत प्रतिशत सहमत हूं। मुझे अपनी बात पूरी करने का मौका मिलता तो शायद मैं दूसरी स्टेटस की भी चर्चा करता। पहले मुझे कंपलीट तो करने दीजिए।

श्री रामदेव भंडारी : आपने शुरूआत ही गलत की है। ...**(व्यवधान)**...

श्री रामदास अग्रवाल : मैंने कोई गलत शुरूआत नही की है। आप मुझे कंपलीट तो करने दीजिए। आप मेरी बात सुनिए।...**(व्यवधान)**...

DR. BIPLAB DASGUPTA: Madam Deputy Chairman, the statement that he made was* He s casting aspersion on... *(Interruptions)*... It should not be permitted.

श्री रामदास अग्रवाल : आप मेरी बात सुनिए। बिहार से मुझे भी उतना ही लगाव है जितना मेरे माननीय सांसदों और सदस्यों को है। मैं बिहार को अलग नही करना चाहता हूं ...**(व्यवधान)**...

SHRI N.K.P. SALVE (Maharashtra): Madam Deputy Chairman, what the hon. Member has referred to is a matter of sheer national disgrace and shame. If it is happening anywhere whether in Bihar or Maharashtra or Rajasthan it is a matter of shame and disgrace. As an Indian—if it is happening in my country—I do not know where to hide my face. Therefore, I urge upon the hon. Member—he is making a very valid point—not to speak in a manner that this disgraceful affair assumes a political overtone. That is my request.

...(Interruptions)...

श्री रामदास अग्रवाल : महोदया, मैं सभी माननीय सांसदों की भावना से पूरी तरह से सहमत हूं। मेरी बात कंपलीट होती तो आप जो फरमा रहे है मैं भी उसी लाइन पर बोलने वाला था। मैंने तो तथ्य रखने की कोशिश की थी क्योंकि यह मामला इतना ...**(व्यवधान)**... आप सुनिए तो सही, यह तो कोई बात नही ...**(व्यवधान)**... अरे आप सुनिए तो सही मुझे अपनी बात कंपलीट तो करने दीजिए। ...**(व्यवधान)**...

श्री वसीम अहमद : आपने यह बात कही कि यह बिहार में हो रहा है।...**(व्यवधान)**...

उपसभापति : आप भी बैठ जाइये T. Just a minute. Everything has been settled. I would look into the record. If it is happening in Bihar, then today Bihar's *abadi* would not have been so much. Everywhere in India there is so much of population.

श्री रामदास अग्रवाल : महोदया, मैं आपको तथ्य बताना चाहता हूं ...**(व्यवधान)**...हमारे देश के किसी भी प्रदेश में यह मामला हो सकता है, मैं यह बात कहने वाला था कि किसी जमाने में हमारे राजस्थान के अन्दर भी कुछ जातियों में इस प्रकार की कुप्रथा थी। मैं बोलना ही वाला था। ऐसा थोड़े ही है कि मैं केवल बिहार को आइसोलेट करना चाहूंगा। ...**(व्यवधान)**... क्यों करना चाहूंगा? बिहार भी तो मेरे ही देश का एक प्रदेश है...**(व्यवधान)**...

DR. BIPLAB DASGUPTA: According to the last Census what is the gender ratio? Why are there fewer females and more males in Rajasthan? Don't put all the blame on Bihar alone. In Rajasthan also there is the gender issue. It is a very serious problem.

*Expunged as ordered by the Chair.

श्री रामदास अग्रवाल : यह क्या मतलब है?...(**व्यवधान**)...

श्री रामदेव भंडारी : आप बहुत सीनियर मेम्बर है...(**व्यवधान**)...

श्री रामदास अग्ररवाल : मैं जो बोल रहा हूं उसको आप सुनिए तभी बात समझ में आएगी । महोदय, यह बात अजीब है । मुझे आप वक्तव्य पूरा करने दीजिए । आप जबरदस्ती मुझ पर हावी होने की कोशिश कर रहे है । आप चेयर को कहिए...(**व्यवधान**)... यह क्या मतलब हैं । ...(**व्यवधान**)...

DR. BIPLAB DASGUPTA: Women have been neglected. ...*(Interruptions)...*

SHRI N.K.P. SALVE: Just listen to him.

श्रीमती कमला सिन्हा (बिहार) : यह बिहार का सवाल नही है यह ...(**व्यवधान**)...

श्री वसीम अहमद : आप गलत बोल रहे है ...(**व्यवधान**)...

SHRI RAMDAS AGARWAL : I am telling you the facts. ...(Interruptions)... मैं तथ्यों के आधार पर कह रहा हूं, कोई गलत नही कह रहा हूं । ...(**व्यवधान**)... आप बिहार में किसी को नही बोलने देते, इसका मतलब यह नही है कि सदन में भी नही बोलने देंगे । ...(**व्यवधान**)...

THE DEPUTY CHAIRMAN: I adjourn the House for lunch, for one hour.

The House then adjourned for lunch at fourteen minutes past one of the clock.

The House reassembled after lunch at twenty minutes past two of the clock, The Vice-Chairman, (Shri Triloki Nath Chaturvedi) *in the Chair.*

MOTION OF THANKS ON THE PRESIDENTS ADDRESS — Contd.

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI TRILOKI NATH CHATURVEDI): Shrimati Malti Sharma is to continue her speech.

श्रीमती मालती शर्मा (उत्तर प्रदेश) : धन्यवाद महोदय । महोदय, मैंने कल आर्थिक विकास की बात की थी । मेरी ऐसी अवधारणा है कि खाली आर्थिक विकास का ढ़िंढ़ोरा पीटने से काम नही मिलेगा । जब तक लोगों को रोजगार-मूलक शिक्षा नही दी जाएगी, उसके लिए लोगों को तैयार करके साधन उपलब्ध नही कराये जायेंगे, हर हाथ को काम नही दिया जाएगा तब तक हमारा आर्थिक विकास संभव नही है । महोदय, इसी प्रकार से समानता कि बात की जाती है । समानता की बात के ऊपर भी मैंने कल बताया था कि हमारे हरिजन बंधु कैसे उठेंगें, हमारी जो अन्य जातियां है वे कैसे उठेंगी । बातें बहुत की जाती है । लेकिन ईमानदारी से मैं बता देना चाहती हूं कि हरिजन बंधुओं के साथ जिस प्रकार का व्यवहार होता है वह ठीक इसके विपरीत है । उनके बच्चों को जो वजीफा दिया जाता है, उनके लिए जो योजनायें बनाई जाती हैं, उन योजनाओं में कहीं भी ईमानदारी नही बरती जाती । उनके बच्चों को जो वजीफा दिया जाता है उसमें सब कटौती काट ली जाती है । दफ्तरों का हाल यह हो चुका है कि उनको जो योजनायें दी जाती है उन योजनाओं में भ्रष्टाचार व्याप्त हो गया है । पहले पैसा रखवा लिया जाता है और उसके बाद पैसा दिया जाता है और जितना उसको मिलता है उतने में कोई रोजगार वह खड़ा नही कर पाता । मैं नही समझ पाती कि इस प्रकार के झूठे नारे देकर कहां तक किसी जाति या किसी वर्ग का विकास किया जा सकेगा । महोदय,मैं इसके लिए एक ही बात करना चाहती हूं कि सरकार की नीयत में अगर ईमानदारी है, सरकार अगर ईमानदारी से इस देश के अंदर, इस समाज के अंदर समानता लाना चाहती है तो जिन वर्गो की ये बातें है उन वर्गो के लिए कोई ठोस योजना बनाकर ईमानदारी से उसको लागू करने का कार्य सरकार को करना चाहिए ।

महोदय, एक बात मैं और कहना चाहूंगी । जब कोई भी उठता है तो वह किसान की प्रगति की बात करता है । मेरी समझ में नही आता कि जो अपने को धरती पुत्र कहते हैं, कि हम धरती के पुत्र है । किसान के भाई है – यह तो सब कहते हैं लेकिन एक किलों टिनोपाल में धुले कपड़े पहनकर वे किसान की बात करते है तो मेरी समझ में नही आता कि क्या वे वास्तव में किसान की मजबूरियों को, किसान की दशा को समझ सकते है । हमारे प्रधान मंत्री जी मेरे प्रांत में गए थे । उन्होंने अनेकों स्थानों पर किसानों के बारे में घोषणायें की । मैं उनसे एक बात कहना चाहती हूं और उन्होंने जो किसानों को पेमेंट करने की बात कही थी क्या वह पेमेंट उनको हो गया है, क्या यह पैसा उनको मिल गया है? कहीं पर भी किसानों को उनका पेमेंट नही मिल है और आज किसानों की दशा बहुत दयनीय है । कोई भी